Regarding supply of electricity to farmers in Barmer Parliamentary Constituency, Rajasthan

श्री उम्मेदा राम बेनीवाल (बाड़मेर) : माननीय अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे मेरे संसदीय क्षेत्र के अति महत्वपूर्ण मुद्दे पर बोलना का समय दिया, इसके लिए मैं अपने संसदीय क्षेत्र की जनता की तरफ से आपका आभार व्यक्त करता हूं ।

मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा कि मेरे संसदीय क्षेत्र बाड़मेर, जैसलमेर, बालोतरा में सोलर, विंड और थर्मल प्लांटों के माध्यम से देश में सबसे ज्यादा बिजली का उत्पादन होता है । लेकिन ?दीये तले अंधेरा वाली? कहावत सिद्ध हो रही है । लोगों को घरेलू एवं कृषि कार्य हेतु पर्याप्त मात्रा में बिजली नसीब नहीं हो पाती है, जिससे किसानों को रबी की बुवाई करने में देरी हो रही है । नहरी क्षेत्र में भी बिजली की गम्भीर समस्या है । फव्वारा पद्धति से डिग्गियों के माध्यम से, लाइट नहीं मिलने की वजह से, किसान अपनी बुवाई नहीं कर पा रहे हैं । किसानों को मात्र दो-तीन घंटे बिजली मिलती है और वह भी कम वोल्टेज होने की वजह से, उनकी मोटरें जल जाती हैं, जिससे किसानों का उसकी रिपेयरिंग के लिए बहुत खर्चा आता है । ट्रांसफार्मर जलने के बाद महीनों भर उनको रिप्लेसमेंट नहीं किए जाते हैं और लाइनें फॉल्ट हो जाती हैं तो किसानों को दफ्तरों में चक्कर लगाने पड़ते हैं । एफआरडी टीमें सही ढंग से काम नहीं करती हैं । पर्याप्त मात्रा में बिजली नहीं मिलने के कारण उपज ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप बैठिये ।

श्री उम्मेदा राम बेनीवाल : मेरी आपके माध्यम से मांग है कि किसानों को समय पर पूरी बिजली मिले । आरडीएसएस स्कीम के तहत जो जीएसएस बन रहे हैं, उनको तुरंत प्रभाव से बनाया जाए । किसानों को पूरी बिजली मिले, इसके लिए फीडरों को दुरूस्त किया जाए । ट्रांसफार्मर नए लगाये जाए और नए जीएसएस बनाए, ताकि किसानों को घरेलू बिजली और एग्रीकल्चर के लिए बिजली समय पर मिलती रहे । ? (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, प्लीज आप बैठिये ।

श्री उम्मेदा राम बेनीवाल : करीब 75 हजार लोग आज भी अंधेरे के अंदर हैं और उनको नए कनैक्शन दिए जाए ।

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप पहली बार चुनकर आए हैं । कई विषय राज्यों के रहते हैं। हमारी कोशिश होनी चाहिए कि हम जो केन्द्र के विषय हैं, उनको सामान्य रूप से उठाएं । अगर राज्य-केन्द्र के विषय हों तो आप उठा सकते हैं । आपको यह प्रयास करना चाहिए ।

श्री एन. के. प्रेमचन्द्रन जी ।